Volume : 5 | Issue : 1 | January 2016 ISSN - 2250-1991

Research Paper Education

# बिहार राज्य के भोजपुर जिले में कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन

| | |
|---|---|
| **Chandani Kumari** | M.Ed. Student, Faculty of Education, Banasthali Vidyapith, Rajasthan-304022 |
| **Dr. Murlidhar Mishra** | Associate Professor, Faculty of Education, Banasthali Vidyapith, Rajasthan-304022 |

**ABSTRACT**

बिहार राज्य के भोजपुर जिले में कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण जानने के लिए कल्प संचालित 244 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में से पच्चीस का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया। प्रत्येक चयनित राजकीय प्राथमिक विद्यालय से दो शिक्षकों का चयन किया गया। प्रदत्त संकलन हेतु 'कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षक प्रत्यक्षीकरण अनुसूची' का विकास स्वयं शोधकर्ता द्वय ने किया। प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने के लिए आवृत्ति विश्लेषण, प्रतिशत विश्लेषण एवं रेखाचित्रीय प्रदर्शन आदि का उपयोग किया गया। निष्कर्षतः : यह पाया गया कि कल्प–कार्यक्रम के प्रति विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है। अधिकांश शिक्षकों ने उच्च तथा सामान्य स्तर का प्रत्यक्षीकरण दर्शाया है। प्रत्यक्षीकरण अनुसूची में इन शिक्षकों द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं से यह भी स्पष्ट होता है कि अधिकांश शिक्षक कल्प–कार्यक्रम से सम्बन्धित विविध पक्षों–उपलब्ध संसाधन, कालांश आवंटन, शिक्षक प्रशिक्षण, संसाधन–व्यय, गुणवत्ता, प्रभावोत्पादकता, नामांकन एवं ठहराव तथा परीक्षा प्रणाली के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण रखते हैं।

**KEYWORDS** Computer Assisted Learning Programme, School Teachers, Perception, Descriptive Survey, Random Sampling and Purposive Sampling

किसी भी कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए हमें एक प्रणाली की आवश्यकता होती है। इस प्रणाली के अन्तर्गत विभिन्न घटक होते हैं उन घटकों का एक दूसरे के साथ कैसा संबंध है, इसका प्रभाव उपलब्ध संसाधन, कालांश आवंटन, संसाधन–व्यय, गुणवत्ता, प्रभावोत्पादकता, नामांकन एवं ठहराव एवं परीक्षा प्रणाली आदि पर पड़ सकता है। धर्मराज एवं अन्य (2000), कालिया एवं अन्य (2000), तँवर (2012), शर्मा (2012), प्रगथी (2012), जौहरी (2012) कम्प्यूटर आधारित अधिगम के सम्बन्ध में अध्ययन किया। बिहार राज्य में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को तकनीकी से जोड़ने तथा कम्प्यूटर आधारित अधिगम के लिए कम्प्यूटर आधारित अधिगम कार्यक्रम (कल्प) चलाया गया है। शिक्षक अपने पूर्व अनुभव के आधार पर संवेदना की व्यवस्था करते हैं। जिस रूप में शिक्षक कल्प–कार्यक्रम को प्रत्यक्षीकृत करते हैं उसका प्रभाव कल्प–कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर हो सकता है। इन स्थितियों को देखते हुए प्रत्यक्षीकरण से संबंधित मुख्य प्रश्न भोजपुर जिले में कल्प–कार्यक्रम के प्रति उच्च प्राथमिक स्तर शिक्षणरत शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण कैसा है? क्या उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षणरत सभी शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण एक समान है? इस प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के उद्देश्य से बिहार राज्य के भोजपुर जिले में उच्च प्राथमिक शिक्षा स्तर पर संचालित कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन किया गया।

'kk/k fof/k

प्रस्तुत अध्ययन में कल्प कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन जहाँ जैसा है के आधार पर करने के लिए शैक्षिक अध्ययन की वर्णनात्मक विधि 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' का प्रयोग किया है।

tul[;k ,o U;kn'k

बिहार राज्य के भोजपुर जिले में स्थित सभी 244 कल्प विद्यालयों के शिक्षक प्रस्तुत शोध की जनसंख्या थे। इन विद्यालयों में से पच्चीस राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों का चयन न्यादर्शन की यादृच्छिक विधि से किया गया है। चयनित विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षण कर रहे शिक्षकों में से कल्प–कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षित शिक्षक का चयन न्यादर्शन की सौद्देश्यपूर्ण विधि से तथा प्रत्येक विद्यालय में से एक अन्य शिक्षक का चयन यादृच्छिक रूप से किया है। इस प्रकार प्रस्तुत अध्ययन में प्रत्येक राजकीय प्राथमिक विद्यालय से कल्प–कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण कार्य कर रहे दो शिक्षकों का चयन किया गया।

midj.k ,o inÙkk dh iÑfr

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्त संकलन के लिए 'कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षक प्रत्यक्षीकरण अनुसूची' का विकास स्वयं शोधकर्ता द्वय ने किया। इस उपकरण से प्राप्त प्रदत्तों की प्रकृत्ति मात्रात्मक प्रकार की रही है।

lkf[;dh; ifof/k;k

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वय ने सांख्यिकीय विश्लेषण करने के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों के अन्तर्गत आवृत्ति विश्लेषण, प्रतिशत विश्लेषण एवं रेखाचित्रीय प्रदर्शन आदि का उपयोग किया गया।

'kk/k fØ;kfof/k

इस शोध अध्ययन हेतु भोजपुर जिले में स्थित शिक्षा अधिकारी कार्यालय से कल्प–कार्यक्रम संचालित राजकीय विद्यालयों की सूची प्राप्त कर न्यादर्श का चयन किया। तत्पश्चात् 'कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षक प्रत्यक्षीकरण अनुसूची' का निर्माण किया गया। चयनित शिक्षकों पर अनुसूची का प्रशासन करते हुए प्रदत्तों का सारणीयन एवं सांख्यिकीय विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष प्राप्त किये गये तथा प्राप्त निष्कर्षों की विवेचना की गई।

inRr iLrqrhdj.k ,o fo'ys"k.k

कल्प–कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने के लिए श्शोध परिकल्पना 'कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक हैं' का निर्माण किया गया है। इस परिकल्पना के परीक्षण के लिए शिक्षकों को उनके कल्प–कार्यक्रम के प्रति व्यक्त प्रत्यक्षीकरण को तीन स्तरों– उच्च, सामान्य एवं निम्न में वर्गीकृत किया गया है।

Rkkfydk

dYi&dk;Øe d i{r f'k{kdk dk iR;{khdj.k

| क्र.सं. | प्रत्यक्षीकरण स्तर | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | उच्च | 10 |
| 2. | सामान्य | 36 |
| 3. | निम्न | 4 |
| योग | | 50 |

oÙk fp=

dYi&dk;Øe d vUrxr f'k{kdk dk iR;{khdj.k

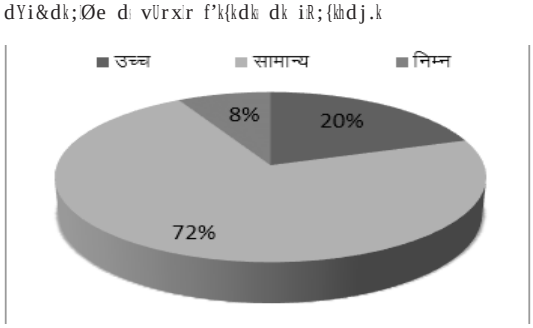

उपर्युक्त तालिका एवं वृत चित्र कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण के स्तर से सम्बन्धित हैं। इस तालिका के अध्ययन से यह पता चलता है कि कुल शिक्षकों में से 20 प्रतिशत शिक्षकों ने कल्प–कार्यक्रम के प्रति उच्च स्तर का, 72 प्रतिशत शिक्षकों ने कल्प के प्रति सामान्य स्तर का तथा शेष 08 प्रतिशत शिक्षकों ने कल्प के प्रति निम्न स्तर का प्रत्यक्षीकरण दर्शाया है। इससे यह स्प ट होता है कि लगभग तीन चौथाई शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति सामान्य या उच्च स्तर का प्रत्यक्षीकरण है। लगभग एक चौथाई शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति उच्च तथा बहुत कम शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति निम्न प्रत्यक्षीकरण है। समेकित रूप में देखने पर यह पता चलता है कि अधिकांश शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण उच्च या सामान्य स्तर का है। इसलिए परिकल्पना 1 'कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है' स्वीकृत होती है। अर्थात् कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

## fu"d"k foopuk

परिकल्पना 1 के परीक्षण से यह निष्कर्ष यह प्राप्त होता है कि कल्प–कार्यक्रम के प्रति विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है। प्रदत्तों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि विद्यालयों में कार्यरत अधिकांश शिक्षकों ने उच्च तथा सामान्य स्तर का प्रत्यक्षीकरण दर्शाया है। प्रत्यक्षीकरण अनुसूची में इन शिक्षकों द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं से यह भी स्पष्ट होता है कि अधिकांश शिक्षक कल्प–कार्यक्रम से सम्बन्धित विविध पक्षों–उपलब्ध संसाधन, कालांश आवंटन, शिक्षक प्रशिक्षण, संसाधन–व्यय, गुणवत्ता, प्रभावोत्पादकता, नामांकन एवं ठहराव तथा परीक्षा प्रणाली के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण रखते हैं।

अधिकांश शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति संसाधन–उपलब्धता के अन्तर्गत विद्यालय में पर्याप्त कम्प्यूटरों की व्यवस्था, कम्प्यूटर कक्ष में फर्नीचर की पर्याप्त व्यवस्था के प्रति प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक तथा कम्प्यूटर कक्ष में प्रिन्टर स्कैनर की व्यवस्था, शिक्षण के लिए पर्याप्त सी.डी. की व्यवस्था, विद्यालय में शिक्षण सम्बन्धी वीडियों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता, कल्प कार्यक्रम के माध्यम से समय–समय पर कम्पनी के द्वारा कम्प्यूटर की जाँच, विद्यालय में इन्टरनेरट कनेक्शन की सहायता से कम्प्यूटर का सहजता से उपयोग आदि के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है।

अधिकांश शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति कालांश–आवंटन के अन्तर्गत कम्प्यूटर की प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक क्रियाओं के लिए प्रतिदिन कालांश, कक्षा में विद्यार्थियों की कठिनाईयों के समाधान के लिए अलग से कम्प्यूटर कालांश की व्यवस्था के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है तथा कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण शिक्षक सभी विद्यार्थियों पर ध्यान नहीं दे पाते, उपचारात्मक शिक्षण के लिए भी कम्प्यूटर कालांश की व्यवस्था, विद्यार्थी कभी भी कम्प्यूटर कक्ष में सीख सकते हैं; इसके प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है।

अधिकांश शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति शिक्षक–प्रशिक्षण के अन्तर्गत उन्हें विषय शिक्षण में कम्प्यूटर के अनुप्रयोग हेतु आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण; शिक्षकों को दिये गये कम्प्यूटर अनुपयोग प्रशिक्षण की विषयवस्तु की व्यावहारिकता; प्रशिक्षण से अध्यापक के गुणवत्ता में सुधार; समय–समय पर जरूरी प्रशिक्षण दिया गया है इसके प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है। संस्था प्रधान के द्वारा शिक्षकों को कम्प्यूटर की सहायता से प्राप्त शिक्षण हेतु आवश्यक निर्देश समय–समय पर दिये जाते हैं, कम्प्यूटर अनुप्रयोग का प्रशिक्षण पर्याप्त है, प्रशिक्षण से प्राप्त कौशलों के अनुरूप शिक्षण करने से शिक्षक सन्तुष्टि का अनुभव करते हैं, शिक्षकों को कल्प के प्रशिक्षण में हार्डवेयर का भी ज्ञान दिया जाता है आदि के प्रति अधिकांश शिक्षकों का नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है।

कल्प–कार्यक्रम के प्रति संसाधन–व्यय के अन्तर्गत कल्प कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाली शिक्षण सामग्री के खर्चीली होने और कम्प्यूटर के रखरखाव एवं कम्प्यूटर से जुड़े सभी उपकरणों की व्यवस्था पर अतिरिक्त व्यय लगने के प्रति अधिकांश शिक्षकों का सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है तथा कम्प्यूटर के रख–रखाव के लिए राशि (बजट) का आवंटन राशि की पर्याप्तता एवं विद्यालय का अपने खर्चे पर कम्प्यूटरों के रख–रखाव के प्रति सक्षम होने के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है।

कल्प–कार्यक्रम की गुणवत्ता के के क्रम में परम्परागत शिक्षण विधि की अपेक्षा योजना में प्रयुक्त कम्प्यूटर आधारित शिक्षण की उपयुक्तता; शिक्षकों द्वारा कल्प–कार्यक्रम के प्रसार को प्रोत्साहन; प्रयुक्त अनुदेशन सामग्री व शिक्षण सामग्री का निर्माण विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप करने; सूचना संप्रेषण तकनीकी के उपयोग से विद्यार्थियों को अपने स्वयं सीखने की प्रेरणा मिलना; कक्षा–कक्ष में सामग्री को व्यवस्थित करने में विद्यार्थियों का सहयोग मिलने के प्रति प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है जबकि स्व–संचालन एवं अन्तरण निर्माण के लिए विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश आसानी से प्रदान करने और कम्प्यूटर की सहायता से विद्यार्थियों में अध्ययन विषयों (गणित, हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत) में रूचि लेने के लिए प्रेरित किया जाता है इसके प्रति अधिकांश शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण नकारात्मक है।

कल्प–कार्यक्रम की प्रभावोत्पादकता के अन्तर्गत कम्प्यूटर आधरित शिक्षण से विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों में वृद्धि, विद्यार्थियों की सृजनात्मक शक्तियों के विकास, कक्षा में पढ़ने के लिए अधिक विद्यार्थियों को अभिप्रेरित में कल्प–कार्यक्रम का प्रमुख योगदान है इसके प्रति अधिकांश शिक्षकों का सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है।

कल्प–कार्यक्रम के अन्तर्गत परीक्षा–प्रणाली के प्रति विद्यालय में कम्प्यूटर आने के कारण विद्यार्थियों की प्रगति का अभिलेख रखना आसान हुआ है और कम्प्यूटर की सहायता से विद्यार्थियों को रोचक प्रायोगिक कार्य दिए जाते हैं; इसके प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण जबकि परीक्षा परिणाम तैयार करने में कम्प्यूटर से सहायता मिल रही है इसके प्रति ज्यादातर शिक्षकों का नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है।

## 'kf{kd fufgrkFk

'शिक्षकों का कल्प–कार्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है'' किन्तु कुछ शिक्षकों का प्रत्यक्षीकरण नकारात्मक है, इसलिए शिक्षकों के प्रशिक्षण व्यवस्था में और अधिक सुधार की आवश्यकता है तथा विद्यालयों में कम्प्यूटर के कालांशों की व्यवस्था में सुधार की जरूरत है जिससे शिक्षक शिक्षण के लिए पर्याप्त समय विद्यार्थियों को प्रदान कर सकें। प्रबन्धकों के द्वारा इस कल्प–कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिलों के प्रशिक्षण केन्द्रों पर संसाधनों की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए तथा महिनों में चार या पाँच बार प्रशिक्षण का आयोजन किया जाना चाहिए। जिसके अन्तर्गत शिक्षकों को स्वनिर्मित अधिगम सामग्री को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। विद्यालयों में प्रबन्धक के द्वारा निरीक्षण कार्य के लिए भरपूर प्रयास करने की आवश्यकता है जिससे कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समुचित जानकारी प्राप्त हो सके और विद्यालय में योजना के अन्तर्गत जो भी कमियाँ हो उनको दूर किया जा सकें। प्रबन्धकों का यह प्रयास होना चाहिए कि जो सी.डी. तथा विडियों तैयार किया जा रहे हैं वह विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप हों ताकि विद्यार्थियों को सीखने में कठिनाईयों का अनुभव ना करना हो तथा वे रूचि पूर्वक अधिगम कर सकें। प्रबन्धकों को विद्यालय में कम्प्यूटर सम्बन्धित संसाधनों के व्यय के लिए सरकार से माँग करनी चाहिए जिससे विद्यालय में शिक्षकों को अतिरिक्त व्यय करने की आवश्यकता न हो और योजना का प्रभावी संचालन सम्भव हो सके।

## REFERENCES

धर्मराज, बी. विलियम एवं अन्य (2000) : उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों में कम्प्यूटर साइस के प्रति जिज्ञासा, दृष्टिकोण का अध्ययन, इण्डियन एज्यूकेशनल एन्सट्रेक्ट, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, वॉल्यूम–2, नं.–1, जनवरी–2003, जौहरी, मीनाक्षी (2012) : संगीत शिक्षण के लिए इन्टरनेट पर उपलब्ध संसाधनों का अध्ययन एवं शिक्षकों हेतु वेब मॉड्यूल का निर्माण, शोध प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान. कालिया, अशोक एट ऑल (2000) : कम्प्यूटर सेल्फ – कॉन्फीडेन्स एण्ड कम्प्यूटर एक्सपीरिएंस इन रिलेशन टू रिलेटेड एडीट्यूड्स एण्ड कमीटमेन्ट टू लर्निंग, जर्नल ऑफ आल इण्डिया एसोसिएशन्स फॉर एजुकेशनल रिसर्च, वॉल्यूम 12 (3, 4), पृ.सं.–67–71 प्रगथी, पी. एस. एण्ड विजयलक्ष्मी जी. (2012) : कम्प्यूटर आधारित कार्यक्रम अनुदेशन के द्वारा सामाजिक विज्ञान की उपलब्धि का अध्ययन, एडयूट्रेक्स, दिसम्बर 2014, वॉल्यूम–14, पृ.सं.–4 शर्मा, अर्चना (2012) : टोंक जिले में कल्प योजना के क्रियान्वयन व उपादेयता का अध्ययन, शोध प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान. तँवर, नीतू (2012) : कोटा जिले में उच्च प्राथमिक स्तर पर कल्प कार्यक्रम के प्रति शिक्षार्थियों एवं शिक्षक का प्रत्यक्षीकरण, शोध प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान. www.bepcssa.in/en/components.phd | • www.biharssa.calp@yahoo.com.in |